विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 13 से 19 नवंबर 2025 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 26 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

ज़ीवन में जब हम छल-कपट में विश्वास करते हैं तो निश्चित तौर पर कुछ समय प्रगति कर सकते हैं लेकिन जब सच्चाई सामने आती है तो निश्चित तौर पर मुंह दिखाने के काबिल नहीं रहते हैं. इसीलिए छल-कपट से बचते हुए सदा बेहतरीन करने का प्रयास करें. देते रहेंगे तो प्रभु आपको सदा देते रहेंगे. वर्ना कंजूस का धन सदा शैतान ही खाने वाली बात साबित होगी.

ओम जय गोविंदा,श्री वेंकटाचल की महिमा

कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा क़ो पेज नंबर 4 पर प्रस्तुत करने का प्रयास किया जा रहा है. श्रद्धा और विश्वास रहने पर जीवन में असंभव भी संभव हो जाता है. विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार,बडनेरा द्वारा भक्तों के लिए इस अनुभव को बांटने का छोटा सा प्रयास किया जा रहा है. निश्चित ही हमारा जीवन खुशियों से भरा रहेगा.

जय गोविंदा,जय गोविंदा.

मिनी मंत्रालय की ट्रायल है नप चुनाव

चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों में भी उत्साह नहीं, इच्छुक भी वेट एन्ड वाच मुद्रा में

विदर्भ स्वाभिमान,12 नवंबर

मुंबई/अमरावती- राज्य में नगर परिषद तथा नगर पंचायतों के चुनाव का कार्यक्रम घोषित हो गया है, इसके तहत जिस तरह की सक्रियता दिखाई देनी चाहिए, उस तरह की सक्रियता नहीं दिखाई दे रही है. स्थिति यह है कि नामांकन प्रक्रिया के तीन दिन बीतने के बाद भी नामांकन भरने वालों में उत्साह नहीं है. राजनीतिक दलों द्वारा जहां पत्ते नहीं खोले जा रहे हैं, वहीं इस चुनाव को जिला परिषद तथा महानगर पालिका चुनाव के पहले ही ट्रायल के रूप में देखा जा रहा है. इस चुनाव में प्राप्त होने वाली सफलता के बाद राजनीतिक दलों द्वारा स्वयं का आकलन किया जाएगा.

राज्य में नगर परिषद और नगर पंचायतों के चुनावों के लिए नामांकन भरने की प्रक्रिया सोमवार को शुरू हो गई. पहले ही दिन अध्यक्ष और सदस्य पद के लिए 664 उम्मीदवारों ने ऑनलाइन नामांकन भरा. नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 17 नवंबर है, जबकि 18 नवंबर को फॉर्म की जांच की जाएगी. अपील नहीं होने की स्थिति में नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 21 नवंबर, जबकि अपील होने की स्थिति में 25 नवंबर रखी गई है.

राज्य की 246 नगर पालिका परिषदों और 42 नगर पंचायतों में 6,859 सदस्यों और 288 अध्यक्षों के चुनाव के लिए 2 दिसंबर को ईवीएम के माध्यम से मतदान होगा और 3

दिसंबर को मतगणना की जाएगी. चुनाव में कुल 1.07 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने के पात्र हैं. कोकण की 27, नासिक की 49, पुणे की 60, छत्रपति संभाजीनगर की 52, अमरावती की 45 और नागपुर की 55 नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों के लिए चुनाव कराए जा रहे हैं.स्थानीय निकाय चुनाव के नामांकन पत्र और शपथ पत्र दाखिल करने के लिए राज्य चुनाव आयोग ने **https://mahasecelec.in** वेबसाइट विकसित की है. इस पर पंजीकरण करके नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों के लिए उम्मीदवार अपना नामांकन पत्र दाखिल कर सकते हैं. एक पंजीकरण के माध्यम से संबंधित प्रभाग से एक उम्मीदवार चार नामांकन पत्र दाखिल कर सकता है.वेबसाइट पर पूरा नामांकन पत्र और शपथ पत्र भरने के बाद उसका प्रिंट आउट निकालकर उस पर हस्ताक्षर करना होगा. वह संबंधित चुनाव निर्णय अधिकारी को 17 नवंबर 2025 दोपहर 3 बजे तक प्रस्तुत करना होगा. अभी ऑनलाइन पद्धति से पंजीकरण करने और अपना लॉगिन आईडी और पासवर्ड सुरक्षित रखना होगा.पूरा नामांकन पत्र और शपथ पत्र भरने के लिए यह आवश्यक हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

हर साख पे उल्लू बैठे हैं, अंजामे गुलिस्तां क्या होगा

वर्तमान में जिस तरह से देश में सुरक्षा को लेकर दिक्कत पैदा हो रही है, दिल्ली में बम धमाके के बाद यह सोच के साथ ही सतर्कता में स्वयं को ढालने का विषय है. हमें अपने इर्द-गिर्द की घटनाओं पर भी नजर रखनी होगी. डाक्टर जैसे प्रोफेशन में रहने वाले भी आतंकवादी हो सकते हैं,धर्म के लिए इस तरह की हरकत कर सकते हैं, यह सोच के बाहर है. आज कोई पोस्टर को पढ़ने के साथ ही उसका अर्थ समझना भी जरूरी हो गया है. दिल्ली की बम धमाके की घटना केपूर्व हवाई सेवा को प्रभावित करने का प्रयास भी किया गया. इसकी जांच चल रही है. सवाल यह है कि आज हर साख पर उल्लू बैठा है वाली स्थिति है. हमारे ही करीब रहने वाला अगर खंजर घोंपने वाला निकल जाए तो बेहतर है कि इस पर हमारी सदा दृष्टी रहे.

नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर दो दिन पहले उड़ाने बाधित होने के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है. यह खुलासा जितना गंभीर है उससे अधिक यह किसी साजिश का संकेत देता है. इतनी बड़ी साजिश के बाद भी पायलट द्वारा दिखाई गई समझदारी निश्चित ही काबिले तारीफ है जिसके कारण कोई बड़ा अनर्थ नहीं हुआ. पायलटो को फेक सिग्नल देने के कारण विमान कितने हजार फुट की ऊंचाई पर है जहां इसका पता नहीं चल पा रहा था वहीं रनवे की जगह पायलट को खेत दिखाई दे रहा था. इसके कारण अगर पायलट द्वारा सतर्कता नहीं बरती जाती तो कोई बड़ा हादसा होने से इनकार नहीं किया जा सकता. पहले हवाई परिचालन में गड़बड़ी के बाद सोमवार को दिल्ली के लाल किले इलाके में हुए बम विस्फोट के तार कहां से जुड़े हैं सरकार को इसकी गंभीरता से जांच करते हुए सच्चाई सामने लानी चाहिए और जिसने भी इस तरह की हरकत की है उसे अंजाम तक पहुंचाना सरकार की जिम्मेदारी है.दिल्ली देश की राजधानी है ऐसे में अगर राजधानी ही सुरक्षित नहीं है तो निश्चित तौर पर यह मामला गंभीर बन जाता है. जानकारी सामने आई है की जीपीएस के सिगनलों से छेड़छाड़ की बड़ी साजिश की गई यही कारण है कि दिल्ली हवाई अड्डे से लगभग 800 से ज्यादा फ्लाइट प्रभावित हुई. जीपीएस से फेक सिग्नल मिलने के कारण विमान की कॉकपिट की स्क्रीन पर विमान की पोजीशन ही बदल गई और एक नकली तस्वीर सामने आने लगी. जिससे पायलट को रनवे की बजाय खेत दिखाई देने से भ्रम की स्थिति पैदा हो गई. स्थिति को भागते हुए पायलट ने विमान के जीपीएस प्रणाली आधारित ऑटो मैसेजिंग की बजाय मैन्यअल पोजीशन पर शिफ्ट हो गए इसके कारण कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ.दिल्ली में हुए बम धमाके एक-दो दिन की तैयारी का परिणाम नहीं कहा जा सकता है. जाहिर है इसकी तैयारी काफी पहले से की जा रही होगी. इसमें जिस तरह से डाक्टर लिप्त पाए गए हैं, वह तो अत्याधिक गंभीर है. पुलिस तथा खुफिया एजेंसियों को गहन जांच करने के साथ ही इस मामले में लिप्त किसी को भी बख्शना नहीं चाहिए. दस निरपराध लोगों की हत्या करने वाले मानव नहीं बल्कि दानव की श्रेणी में आते हैं, उन्हें खत्म किया जाना चाहिए.

सेवाभाव से बना अडगांव का चमत्कारी लेप

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

अमरावती शहर से 30 से 35 किलोमीटर की दूरी पर स्थित अडगांव का प्रसिद्ध लेप जहां हजारों मरीजों को राहत देता है वहीं दूसरी ओर इसके प्रमुख दत्तूजी डवरे का कहना है कि आयुर्वेद की ताकत समूचा विश्व समझ रहा है. लेकिन जहां से इसकी उत्पत्ति हुई उस भारत में इसे प्रचारित करने के लिए अगर सचमुच गंभीरता से प्रयास किया जाता तो निश्चित तौर पर आज तेजी से बढ़ रही किडनी, लीवर, कैंसर के साथ हार्ट फेल और अन्य कई गंभीर किस्म की बीमारियां निश्चित ही नियंत्रण में रखी जा सकती थी. यहां हड्डियों की समस्या से जूझने वाले तमाम इलाज कर हारने के बाद यहां आते हैं और जो आराम उन्हें मिलता है, यही कारण है कि हर दिन यहां अडगांव लेप लगवाने के लिए सैकड़ों त्रस्त लोगों का मेला रहताहै. डवरे परिवार का हर सदस्य सेवाभाव के साथ उनकी सेवा करने का कार्य करता है. हजारों को आराम होने के बाद बिना किसी प्रचार के यहां हर महीने हजारों मरीज पहुंच रहे हैं निश्चित तौर पर चमत्कार को ही नमस्कार दुनिया करती है. आयुर्वेदिक टाइप का लेप सैकड़ों लोगों को रोज हंसाता है. जड़ी बूटी कितनी प्रभावी होती है, विशेष रूप से इसका साइड इफेक्ट बिल्कुल नहीं रहना ही इसकी महानता का परिचायक है. हड्डियों से जुड़ी बीमारियों के लिए अडगांव का यह लेप अभी तक हजारों मरीजों को राहत देता है वही कहते हैं कि प्रत्यक्ष को प्रमाण की जरूरत नहीं रहती है. सुबह 4:00 बजे से ही अगर यहां पर लाइन लगती है तो निश्चित तौर पर चमत्कार को ही नमस्कार करने वाली अदा साबित होती है.

हमारे दादा-परदादा के जमाने में कोई एमबीबीएस डॉक्टर नहीं थे लेकिन उन लोगों की उम्र 100 साल की थी. पहले एक ही डाक्टर सभी बीमारियों का इलाज करता था. लेकिन आज के दौर में यह व्यवसाय बन गया और सेवाभावना पूरी तरह से लुप्त हो रही है. आज भी कुछ डाक्टर समर्पित भाव से सेवा करते हैं लेकिन ऐसे डाक्टरों की सख्या नगण्य है. आज विडंबना है खान-पान में फर्क तो पढ़ाई ही है लेकिन हमारे जीवन जीवनचर्या ने ही हमारे जीवन को नरक कर दिया है और जिन्हें भगवान ने सब कुछ दिया है आज डायबिटीज ने उनसे बहुत कुछ छीन लिया है. भूख लगी है लेकिन खा नहीं सकते. आयुर्वेद की ताकत है महान यह केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि भारत की उस प्राचीन ज्ञान-परंपरा का सार है, जिसने हजारों वर्षों से मानव जीवन को संतुलित, स्वस्थ और स्वाभाविक बनाया है.आयुर्वेद केवल उपचार की पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है. यह शरीर, मन और आत्मा तीनों के संतुलन को स्वास्थ्य का असली आधार मानता है.प्रकृति के पंचमहाभूतों पर आधारित आयुर्वेद हमें बताता है कि हर रोग का समाधान आसपास ही मौजूद है जड़ी-बूटियों में, दिनचर्या में, आहार-विहार में और जीवन की सादगी में. अडगांव क़ा लेप निश्चित ही इसका उदाहरण कहा जा सकता है. जिन्हें डाक्टरों द्वारा ऑपरेशन बताया गया था और आर्थिक हालत नहीं थी, मरता क्या न करता के सिद्धांत पर यहां पहुंचे और सैकड़ों ऐसे मिले, जिन्हें इस लेप से बड़ा आराम मिला. आज जब दुनिया वैकल्पिक चिकित्सा की ओर लौट रही है, तब आयुर्वेद अपनी प्राचीन लेकिन प्रमाणिक शक्ति के साथ, फिर वैश्विक मंच पर अग्रणी स्थान पा रहा है.आयुर्वेद की ताकत है महान,स्वास्थ्य का आधार है महान है. धन्य हैं लेपवाले दत्तूजी डवरे और उनके भाई के साथ सभी भतीजे, जो सेवाभाव से सुबह 7 बजे से लेकर सेवाभाव से यह सेवा देकर हजारों मरीजों के जीवन को सुसह्य कर रहे हैं. पूरा डवरे परिवार इसके लिए अभिनंदन का पात्र है.

बच्चों को संवारना है राष्ट्र का दायित्व

बालक दिवस विशेष आदर्श संस्कार देना है माता का कर्तव्य, बच्चे ही होते हैं राष्ट्र का भविष्य

भारत में बालक दिवस हर वर्ष 14 नवंबर को मनाया जाता है. यह दिन स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती को समर्पित है, जिन्हें बच्चों से अत्यधिक प्रेम था. बच्चे उन्हें स्नेह से चाचा नेहरू कहकर पुकारते थे. नेहरू जी का मानना था कि बच्चे देश का भविष्य हैं, और उन्हें स्नेह, शिक्षा, संस्कार एवं अवसर देना प्रत्येक समाज और राष्ट्र का दायित्व है.बालक दिवस बच्चों के अधिकारों, उनकी सुरक्षा, शिक्षा तथा उनके सर्वांगीण विकास को महत्व देने का अवसर है. यह दिन हमें याद दिलाता है कि एक स्वस्थ, सुरक्षित और शिक्षित बचपन ही एक मजबूत राष्ट्र का आधार बनाता है.आज के समय में जहाँ अनेक बच्चे गरीबी, असमानता, बाल-श्रम, कुपोषण और शिक्षा के अभाव से जूझ रहे हैं, वहीं बालक दिवस हमें उनके संरक्षण के लिए गंभीर प्रयास करने की प्रेरणा

देता है. बच्चों को सिर्फ प्यार ही नहीं, बल्कि सुरक्षित माहौल, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पोषण और अवसर भी देना जरूरी है.

बच्चों की मुस्कान दुनिया का सबसे सुंदर उपहार है. वे निष्कपट, जिज्ञासु, आशावादी और ऊर्जा से भरे होते हैं. उनकी सोच में न कोई छल होता है और न कोई भेदभाव. बच्चों की यही मासूमियत समाज में सकारात्मकता और प्रेम का संचार करती है.भारत के विभिन्न स्कूलों, सामाजिक संस्थाओं और समुदायों में इस दिन विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं. बच्चों का जीवन संवारना राष्ट्र का प्रमुख दायित्व होता है. बच्चे ही देश का आदर्श नागरिक बनते हैं और उनके ही कार्य देश को मजबूत बनाते हैं. ऐसे में बालक दिवस पर राष्ट्र को अपना दायित्व जहां निभाना चाहिए, वहीं दूसरी ओर माताओं को अपने बच्चों के आदर्श संस्कार पर ध्यान देना चाहिए. आमतौर पर कई बार संस्कार के अभाव में बच्चे गलत लाइन पर जाते हैं. नेहरू जी कहते थेआज के बच्चे ही कल का भविष्य हैं, और यदि हम उन्हें प्यार और समझदारी से पालेंगे तो भारत का भविष्य उज्जवल होगा. उनका मानना था कि बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सरक्षा पर विशेष ध्यान देना किसी भी देश की प्रगति की पहली सीढ़ी है. बालक दिवस 14 नवंबरपर सभी बालकों को शुभकामनाएं.

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010 43881

जुझारू शिवसेना कार्यकर्ता हैं अरुणभाऊ पडोले

अमरावती जिले में सफलतम व्यवसायी के साथ विकास और नागरिकों की समस्याओं को समझते हुए इसका निराकरण करने के लिए सदा त तत्पर रहने वाले लोकप्रिय युवा कार्यकर्ता के रूप में शिवसेना शिंदे गुट के पूर्व जिला प्रमुख तथा अमरावती जिले में शिवसेना शिंदे को मजबूती प्रदान करने के साथ पार्टी प्रमुख और राज्य के लोकप्रिय उपमुख्यमंत्री एकनाथ जी शिंदे के करीबी कार्यकर्ता अरुण भाऊ पडोले को पहचाना जाता है. वह जितना बेहतरीन कार्यकर्ता हैं, उससे भी अच्छे और बेहतरीन संवेदनशील नेता है, जो दीन दलितों और पीड़ितों की मदद के लिए सदा तत्पर रहते हैं. अमरावती जिला परिषद के चुनाव में वह मैदान में उतरने वाले हैं, निश्चित तौर पर उनके जैसे कार्यकर्ता को जनसेवा का मौका मिलने पर क्षेत्र का विकास जहां गति पकड़ेगा वहीं लोगों की समस्याओं का भी निराकरण करने में भी सदा समर्थ रहने वाले नेता है. बचपन से ही सही को सही और गलत को गलत कहने की ताकत रखने वाले अरूण भाऊ बोले तैसा चाले को जीवन का सूत्र मानते हैं. किसी के साथ किया गया वादा निभाने के लिए जहां पूरी तरह से समर्पित रहते हैं वहीं कार्यकर्ताओं के लिए भी परिवार के सदस्य तथा बड़े भाई के रूप में सम्मान प्राप्त करते हैं. उनके ही प्रयासों का असर है कि आज जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भी शिवसेना मजबूती से खड़ी है और वह पार्टी के ऐसे समर्पित कार्यकर्ता हैं, जिन्हें पदाधिकारी के साथी कार्यकर्ता का अत्यधिक प्रेम मिलता है.जुझारूपणा, जनसंपर्क और ठाम भूमिका—इन तीन गुणों के संयोग से कोई भी नेता ज नता के दिलों में स्था न

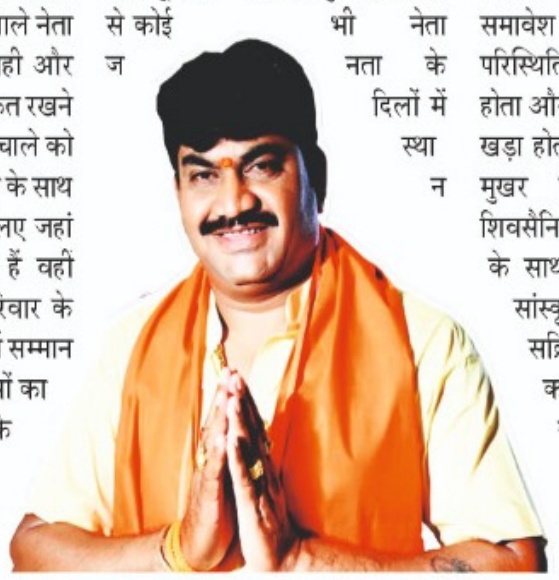

बनाता है.एक जुझारू शिवसेना कार्यकर्ता का व्यक्तित्व भी इन्हीं विशेषताओं से गढ़ा होता है. ऐसे ही नेताओं-कार्यकर्ताओं में भाऊ का समावेश है.ऐसा कार्यकर्ता कठिन परिस्थितियों में पीछे हटने वाला नहीं होता और जनता के लिए सदा फ्रंट पर खड़ा होता है.वह जनहित के मुद्दों पर मुखर होकर खड़ा रहते हैं.* शिवसैनिकों के प्रश्नों को प्राथमिकता के साथ उठाने,क्षेत्र के सामाजिक, सांस्कृतिक और विकास कार्यों में सक्रिय भागीदारी,साधारण कार्यकर्ता से लेकर वरिष्ठ नागरिक तक, हर वर्ग से सीधा संवाद, संकट के क्षणों में पहली पंक्ति में खड़े होने का साहस वह सदा दिखाते हैं. उनके इसी स्वभाव के कारण जहां पार्टी में सभी उन्हें सम्मान देते हैं वहीं वरिष्ठ नेता भी उनकी बात को तवज्जो देते हुए उन्हें सदा प्रोत्साहित करने का कार्य करते हैं.जुझारू शिवसेना कार्यकर्ता पडोले केवल राजनीति नहीं करते,वह वचन निभाने को धर्म मानते है. उनकी आवाज़ में तेज होता है, पर दिल में जनता के लिए अपनापन भी उतना ही प्रबल होता है. मेहनत, संघर्ष, निष्ठा और मराठी स्वाभिमान का संगम ही उन्हें जनता का सच्चा कार्यकर्ता बनाया है. विकास को लेकर जन समस्या तक निराकरण के मामले में वे सदा प्रयासरत रहते हैं. यही कारण है कि पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता के रूप में पार्टी प्रमुख सहित अन्य पदाधिकारी भी उन्हें चाहते हैं और सम्मान देते हैं.

चमत्कारी,प्रभावी है श्री व्यंकटेश्वर का अष्टाक्षरी महामंत्र

गतांक से जारी-श्री वेंकटेश्वर के अष्टाक्षरी महामंत्र का न्यासयुक्त जप करना चाहिए.उसे हरि को समर्पित करके तदुपरांत ध्यान वाहनार्घ्य पाध्यचमन स्नन वस्त्र यज्ञोपवात गंधाक्षतों को समर्पित करके वेंकटेश अष्टाक्षरी का जप करके श्रीवेंकटेशाय नमः कहते अष्टोत्तर शत नामों का उच्चारण करते हुए पाद से शीर्ष तक सर्वांग समर्पण करना चाहिए. फिर धूप नैवेद्य तांबूल सुवर्ण पुष्प कपुर नीराजन मंत्र पुष्प परिक्रमा नमस्कार समर्पित करते हुए एकाग्र ध्याननिष्ठ भक्त पर श्री वेंकटेश्वर प्रसन्न हो जाते हैं. इहलोक और परलोक के फल प्रदान

रते हैं. यह अष्टोत्तर शत नामावली अत्यंत गोपनीय है. श्रध्दा-भक्ति के साथ गुरु पर विश्वास रखते हुए उस गुरूमुख से जानकर पठन करने पर इससे अत्यंत सफलता प्राप्त होती है. शेष के व्दारा प्राप्त इसे आपको बताया. ऐसा सूत ने शौनकादि मुनियों से कहा और आगे इस रूप में कहा.कपिल मुनि के पूछने पर स्वीकार करके शेष ने निष्कपट होकर उस क्रम को कर्दम पुत्र को बताया. मुझे उस कपिल मुनि ने संक्षेप में बताया. जो कुछ मैं जानता हूँ. उसे मैंने अब आप लोगों को बताया. हे मुनीश्वर इस अष्टोत्तर शतक का सद्भक्ती से पारायण करने वाले सात्विकों को ये शेषगिराधीश अनन्य पद प्रदान करते हैं.

नैमिशारण्य मुनियों का वेंकटाद्रि पधारना-इसे सुनकर शौनकादि मुनियों ने इसे अत्यभ्दुत कहा. वेंकटेश्वर के दर्शन के निर्णय करके अखंड भक्ति से कुछ कह पाने की स्थिति में उनको

देखकर सूत ने इस रूप में कहा-हे मुनिवर आपको बहुत संदर ढंग से अब मैं क्या बता सकता हूँ. इस रूप में कहने पर सूत को देखकर उन दिव्य मुनियों ने इस रूप में कहा. वेंकटाद्रि पहाड़ को देखने की अटल इच्छा मन में हो रही है. श्री वेंकटाद्रि महिमा को सुनकर हम तृप्त हो गए हैं. हमारे श्रवण अंग इससे धन्य हो गए. नेत्रों में प्रेम बढ़ कर दर्शन करने की इच्छा पैदा हो गयी है. वेंकटगिरी के दर्शन करके आएंगे.हे सूत करुणोपेत ऐसा मुनियों के कहने से सूत ने मुनियों के उत्साह को देखकर इस रूप में कहा. हे तापसी अब आप यहाँ विलंब नहीं करते हुए वेंकटाद्रि के लिए निकल जाइए. उस वेंकटगिरि शैल को आश्चर्य से देखकर महोत्साह से

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

वहाँ के श्री वेंकटेश्वर के दर्शन कीजिए. ऐसा कहते सूत ने वेंकटाद्रि का वैभव श्रीनिवास की महानता स्वामित्व को प्रदान करनेवाले तीर्थों की महिमा के बारे में बताया. इसके अतिरिक्त भूवराह स्वामी को प्राप्त नारायण चिह्न और उनके अव्दितीय प्रभाव के बारे में बताने पर अपने सारे संशयों को निवृत्त करके संतोष के साथ शौनकादि मुनिगण वें कटगिरि यात्रा के लिए निकल पड़े.

गौतम जाबाली कश्यप अंगीरस श्रीवत्स कौत्स मैत्रेय पुलह कण्व गार्गेय मृकंदु भरव्दाज कौशिक देवल क्रतु पुलस्त्य आदि सारे प्रमुख मुनिगण नैमिशारण्य को छोड़कर तब गंगा के तट पर पहँच कर स्नान करके वहाँ से गोदावरी कृष्णा नदियों में स्नान करके मार्गमद्य में स्थित पुण्य तीर्थों में डूबकी लगाते सद्भक्ती से श्री वेंकटेश्वर के दर्शन की अभिलाषा से सारे मुनिगण चले आये.श्री वेंकटगिरी के दक्षिण में स्थित कपिल तीर्थ पहुँच कर ब्रह्म तत्व के प्रभाव से प्रकाशित पुण्य तीर्थों में स्नान करके वेकंटाचल पर्वत पर चढ़ना उन्होंने शुरू किया. मार्ग में मेरु गिरी समान सुवर्ण प्रभाओं के समानवाले श्रृंग समूहों के दर्शन किए. नवरन्त कांति से सुशोभित पर्वत सानु देषों को फल पुष्पों से भरे पुण्यवृक्ष समूहों को गंगा समान अनेक पुण्यतीर्थों को शुक पिक कलकंठ मराल मयूर आदि प्रमुख विहंगों के समूहों को सिंह व्याघ्र वराह आदि प्रमुख वन्य मृगों को गरूड गंधर्व यक्ष किन्नर जाति के समूहों को देखते बीच-बीच में दिखाई पड़ने वाले पुण्य तीर्थों में स्नान करते हुए साम गान करते चल रहे थे.जल से भरे कमक कमल कल्हार से परिवेष्टित स्वामी की पुष्करिणी का उन्होंने दर्शन किया.पुष्करिणी में स्नान करके वराह स्वामी के दर्शन किए. भक्ति पूर्वक उनकी पूजा की.तदुपरांत श्रीनिवास की सन्निधि में गए. वहाँ दिव्य विमान की परिक्रमा की. सभा मंडप में खड़े होकर श्री वेंकटेश्वर के दर्शन किए. स्वामी को अंजली समर्पित करते पुलकित हुए.नेत्रों से आनंद भाष्पों के निकलने से गन्द कंठों से वेद- वेदांत शास्त्र प्रकारों से स्वामी की विनती की.तदुपरांत श्रीनिवास के दर्शन करके आनंदपरवश हुए. जटा -जुटाएँ हिलाते आनंदपरवश में नाचते गाते असीम आनंद को प्राप्त किया. इंदिरेश्वर के पास वे उड़ते उछलते गए. भगवदावेष में लीन होकर आनंदात्मा बनकर अच्छी तरह नाचते गाते सकल वेदों को उच्च स्वर में उन्होंने पठन किया.वेदों का पठन करते-करते निष्ठागरिष्ठ वे सारे मुनिगण खड़े होकर अनुपम सौंदर्य वाले श्री वेंकटेश्वर के नेत्रपर्व रूप में दर्शन करके मन करके मन को उस स्वामी पर केंद्रित करके भक्ति में डूब कर तन्मय हो उठे. उन्होंने अष्टोत्तर शत नामों का अत्यंत इच्छा के साथ पठन करते सुवर्ण पुष्पों से सृष्टि स्थिति लयकार श्री वेंकटेश्वर की पूजा अपने मन भरने तक की है.

तब कोटि प्रकाशवान आजानुबाहू अच्युत परिपूर्ण चंद्र बिंब समान चेहरे वाले मंदस्मित मुद्रा के माधव सललित मकर कुंडल कर्णों से शोभित मणि किरीट मस्तकवाले श्रीवत्सलांछन दिव्य

ज़नहित में समर्पित,विकास को तरजीह देते हैं सचिन भेंडे

सचिन भेंडे सर्वधर्म समभाव के साथ ही क्षेत्र के विकास के लिए दिन-रात करते हैं प्रयास

अमरावती- अपने कामों से जनता का अपार प्रेम प्राप्त करने के साथ ही विकास के विजन के कारण लोकप्रिय सचिन भेंडे के कारण क्षेत्र में करोड़ों रूपए के विकास काम चल रहे हैं. मंदिर के सभागृह, बगीचों का निर्माण, बच्चों के लिए बगीचों में खेल सामग्री सहित अन्य प्रयास कर रहे हैं. यही कारण है कि क्षेत्रवासियों द्वारा उन्हें लेकर अपार प्रेम दिखाई दे रहा है. लोगों के विश्वास को ही अपनी सफलता मानने वाले सचिन भें डे के मुताबिक विधायक रवि राणा और पूर्व सांसद नवनीत राणा के मार्गदर्शन तथा सहयोग के कारण साईं नगर को विकास के मामले में सबसे आगे रखने का प्रयास किया जा रहा है.

महानगर पालिका चुनाव को भले ही समय है लेकिन आदर्श नगरसेवक बनने के लिए इस बार मैदान में उतरने वाले सचिन भें डे प्रभाग में विकास की लगातार गंगा बहा रहे हैं. विधायक रवि राणा तथा नवनीत राणा के मार्गदर्शन में 5 करोड़ रूपए के विकास कामों की शुरूवात भी उन्हों ने की.

इसमें साईं नगर प्रभाग के संतुलित विकास को महत्व दिया गया है. उनके विकास की आंधी को देखकर लोगों में भी उनके प्रति सकारात्मक सोच बन रही है और भविष्य के नगर सेवक के रूप में उन्हें देखा जा रहा है.साईनगर प्रभाग के नागरिक उनके जैसे युवा नगर सेवक की जरूरत मानकर बदलाव की मानसिकता बना रहे हैं. पांच करोड़ रूपए की विकिास निधि से साईंनगर के कृष्णार्पण कॉलोनी के पुल से सरबेरे बंधू किराणा से विट्ठल मंदिर तक के रास्ते का मजबूतीकरण और पेविंग ब्लॉक लगाने क़े अलावा कई विकास काम एक साथ किया जा रहा है. बगीचे से लेकर रास्ते, नाली, बगीचों के निर्माण के साथ ही विभि न्नमंदिरों के सभागृह का निर्माण किया जा रहा है. सचिन भेंडे को बोले तैसा चाले वाले युवा नेता के रूप में देखा जा रहा है. उनके मुताबिक क्षेत्रवासियों का प्रेम ही उनके लिए सबसे बड़ी दौलत है. सचिन भेंडे के विकास की सराहना की जा रही है.

ठंडी दिखाने लगी है अमरावती शहर तथा जिले में असर

अधिकतम और न्यूनतम तापमान में तेजी से हो रही है कमी,अलाव जले

विदर्भ स्वाभिमान,12 नवंबर

अमरावती - ग्लोबल वार्मिंग का असर हर मौसम पर दिखाई दे रहा है. इस बार जमकर ठंड भी पड़ने वाली है. इस तरह के संकेत भारतीय मौसम विभाग ने दिया है. अगले सप्ताह से अमरावती सहित अन्य स्थानं पर ठंड की तीव्रता बढ़ने वाली है. इससे सतर्क रहने का आग्रह किया गया है. पिछले कुछ दिनों से जिस तरह से तापमान में कमी आ रही है, उसके चलते शहर तथा जिले में तापमान घटकर ठंड की तीव्रता बढ़ रही है. अधिकतम तापमान 23.8 तथा न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है. इसके कारण ग्रामीण में अलाव जलाना शुरू हो गया है. शहर में कम लेकिन दूर दराज वाले क्षेत्रों में रात 7 बजे के बाद ही ठंड की तीव्रता दिखाई देने लगी है. अक्टूबर 2025 में ठंड का पता नहीं चला. ग्लोबल वार्मिंग की वजह से भी ठंड की तीव्रता और अवधि बढ़ने की उम्मीद है. ठंड की तीव्रता इस सप्ताह से बढ़ने की संभावना जताई जा रही है. पिछले चार दिनों से शहर में भी ठंड की तीव्रता दिखाई दे रही है. ठंड की यह तीव्रता धीरे-धीरे बढ़ने की संभावना जताई जा रही है. शहर के साथ ही अमरावती ग्रामीण क्षेत्र में ठंड की तीव्रता बढ़ने वाली है. शहर के साथ ग्रामीण में अलाव शुरू हो गया है.

प्रभु में अपार विश्वास रखने वाले स्व.जमुनाप्रसादजी दुबे

भावपूर्ण श्रद्धांजली

उत्तर प्रदेश के पट्टी तहसील के दलापांडे का धौरहरा में जन्म लेने वाले और पूरे जीवन में सांसारिक संत की भूमिका में रहने वाले बाबूजी पं.जमुनाप्रसाद पारसनाथ दुबे जीवन दर्शन के पीएचड़ी कहना गलत नहीं होगा. उनकी संवेदनशीलता,किसी को भी अपार सम्मान और अपनापन देने की अदा,हनुमानजी में अपार विश्वास तथा वित्तीय नियोजन, दिखावे से दूर रहने वाली उनकी सीख दुबे परिवार की प्रेरणा बनी है. मेरे स्वर्गीय बाबूजी पंडित जमुनाप्रसाद पारसनाथजी दुबे भी कुछ इसी तरह के विरले एवं महान व्यक्तित्व थे. मैं भाग्यशाली हूं कि आज भी हम पांच भाईयों में सुपारी तक का शौक नहीं है. निश्चित ही यह बाबूजी के आदर्श संस्कार ही हैं. बाबूजी को 16वीं पुण्यतिथि पर विनम्र आदरांजलि,चरणों में कोटि-कोटि नमन

१६ वीं पुण्यतिथि १६ नवंबर पर विशेष

मैं और पूरा दुबे परिवार स्वयं को गौरवान्वीत मानता है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी से आदर्श संस्कार में चलता रहा है.ज़ो आया है, उसका जाना तय है. फिर चाहे वह राजा हो या रंक. बाबूजी मेरे जीवन के सबसे बड़े प्रेरणादायी हीरो थे. उनकी सादगी, छल-कपट से रहित जीवन, भाईयों के प्रति अपार प्रेम, आदर्श पिता के साथ ही सभी रिश्तों में उनका आदर्श रवैया निश्चित तौर पर हमें प्रेरणा देता है.

दुनिया में आने वाले हर व्यक्ति को जाना पड़ता है. ऐसे में कुछ ही लोग ऐसे होते है.जिनके विचार आदर्श और प्रेरणादायी हो जाते हैं. ऐसे ही लोगों में पूज्यनीय पिताजी स्व.पंडित जमुनाप्रसाद पारसनाथजी दुबे थे. गरीबी,अभाव के साथ कई वर्षों तक जीवन बिताते रहे लेकिन नैतिकता, सच्चाई एवं ईमानदारी का दामन कभी नहीं छोड़ा. यही कारण थे कि वे आज आदर्श बन गए थे. सादगी की वे जहां प्रतिमूर्ति थे, वहीं दूसरी ओर उनका मानना था कि कर्ज लेकर शान शौकत कभी नहीं करनी चाहिए. जितनी चादर हो, उतना ही पैर पसारने के सिद्धांत पर वे जिंदगी भर चले. उनके मुताबिक खर्च आय देखकर ही करनी चाहिए. आज की दुनिया में स्पर्धा करने तथा जलने की प्रवृत्ति बढ़ी है लेकिन स्पर्धा सकारात्मक करने की प्रवृत्ति घटी है. यही कारण है कि जीवन में परेशानी तथा दुख बढ़े हैं. आज आमदनी अठन्नी, खर्चा रूपैया वाली मानसिकता ही कई समस्याओं की जड़ है. इसलिए हमेशा जीवन में आय और व्यय का हिसाब रखना चाहिए. बाबूजी बोलते ही नहीं बल्कि इसी सिद्धांत पर चलते थे.बाबूजी के ही आशिर्वाद का यह फल है कि गरीबी और अभावों से जूझने के बाद भी आज भी दुबे परिवार समाज के साथ ही शहर में अपने क्षेत्र में उच्च शिक्षा, आदर्श संस्कारों के लिए पहचाना जाता है.पिताजी कम बोलते थे. लेकिन कभी किसी का मन दुखे, ऐसी वाणी नहीं बोलते थे. भावुक व्यक्ति कभी विश्वासघाती नहीं हो सकता है,इसका प्रत्यक्ष उदाहरण लिया जा सकता है. भावुकता इतनी थी कि किसी के दर्द को सुनकर आंख से आंसू निकल आते थे. उनका कहना था धार्मिकता व्यक्ति को हर स्थिति से जूझने की ताकत देती है. इतना ही नहीं तो हमें यह याद रखना चाहिए कि हमारे द्वारा किए गए नेक काम ही मुसीबत के समय हमारी रक्षा करते हैं.

दुनिया की एक रीति है. यहां आने वाले को जाना ही पड़ता है. लेकिन बहुत कम ऐसे खुशनसीब होते हैं जिनका जीवन फूलों की सुगंध की तरह होता है. ऐसे ही लोगों में शामिल थे बाबूजी. जीवन के आखिरी दम तक कभी बेईमानी, किसी का मन दुखी करने का काम नहीं किया. बोले तैसा चाले की सिद्धांत पर चलने वाले लोगों की संख्या जहां आज कम हो रही है, वहीं दूसरी ओर बाबूजी ने जीवनभर सिद्धांतों पर जिया. वे आदर्श संस्कार, आदर्श परिवार के साथ ही आदर्श विचारों वाले प्रेरणादाई व्यक्तित्व थे. बाबूजी पढ़े भले ही कम थे लेकिन उनका अनुभवी ज्ञान मजबूत था. यही कारण है कि अभावों में रहने के बाद भी पांचों बच्चों को पढ़ाने-लिखाने से लेकर आदर्श संस्कारित, जिम्मेदार नागरिक बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी. उनका कहना था कि शिक्षा का सदैव महत्व रहता है.

क़र्म को मानते थे धर्म-बाबूजी कर्मठता के मामले में सख्त थे.वह ईमानदारी से कर्म को सबसे बड़ा धर्म मानते थे. यही कारण था काम के समय काम वाली उनकी नीति सबसे अलग थी. ब्रिजलाल बियाणी महाविद्यालय में सेवा के दौरान इसका अनुभव आता था. काम के प्रति समर्पण रखने वाला व्यक्ति कभी बिना काम के नहीं रहता है. जीवन में कर्मठता का क्या महत्व होता है, इसका अनुभव मैने स्वयं किया है. पूज्य बाबूजी की 16 नवंबर को 16 वीं पुण्यतिथि है. भगवान उनकी दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करें, प्रभु चरणों में यही कामना.आए हैं तो जाएंगे, राजा रंक फकीर, एक सिंहासन चढ़ी चले, एक बंधे जंजीर. अन्नाजी कुछ ऐसे ही व्यक्तित्व थे. जीवनभर सदैव मानवता, नेकी, सहकार क्षेत्र की गरिमा को बरकरार रखते हुए बच्चों को भी उच्च शिक्षा दिलाई. बहुमुखी व्यक्तित्व के रूप में रहने के बाद भी उनकी सादगी किसी को भी प्रभावित करने वाली थी. बाबूजी के आदर्श विचारों पर चलते ही सदैव नेकी की राह पर चलने का संकल्प लेते हैं.बाबूजी को कोटि-कोटि नमन.

सुभाषचंद्र जे. दुबे, संपादक.

विदर्भ स्वाभिमान, जय माता दी मानस मंडल,समस्त दुबे परिवार, धौरहरा, अमरावती,हिंगोली.

सभी के चहेते,सेवाभावी नेता हैं विधायक संजय खोड़के

जिले ही नहीं तो राकांपा अजीत पवार गुट के दबंग नेता विधायक संजय खोड़के बोलने में कम और करने में अधिक विश्वास करने वाले लोकप्रिय विधायक हैं. पार्टी की मजबूती के अलावा विकास का जबर्दस्त विजन जहां वे रखते हैं, वहीं दूसरी ओर जमीन से जुड़े व्यक्ति रहने के कारण कार्यकर्ताओं के साथ ही शहरवासी भी उन्हें अपार प्रेम देते हैं. बातचीत में गंभीर नजर आने वाले विधायक संजय खोड़के जनता का समय पर काम नहीं होने पर उग्र हो जाते हैं. उनका कहना है कि वे स्वार्थ के लिए कभी किसी पर गर्म नहीं होते हैं लेकिन जनता की तकलीफें वे नहीं सह पाते हैं. ऐसे मामले में अगर समय पर काम नहीं हो तो निश्चित तौर पर उनका रवैया उग्र हो जाता है.

राकांपा के दबंग नेता के साथ ही लाखों छात्रों को बेहतरीन शिक्षा के माध्यम से जीवन संवारने वाले अष्टपैलू नेता हैं. वे जितने सम्पन्न हैं, उतने ही दिलदार नेता हैं. यही कारण है चहेते सेवाभावी नेता के रूप में उनकी ख्याति है.वह जनहित के मामले में सरकारी निधि का भी इंतजार नहीं करते हुए व्यक्तिगत रूप से मदद करने के लिए तैयार रहते है. बोले तैसा चाले का जहां वे अनुकरण करते हैं. उपमुख्यमंत्र अजीतदादा पवार के साथ विधायक दम्पति के अत्याधिक करीबी संबंध हैं, इन संबंधों का उपयोग करते हुए चाहे सुपर स्पेशालिटी में विकास की बात हो, इस क्षेत्र में अमरावती को आगे बढ़ाने की बात हो, वह अक्सर प्रयास करते हैं. उनका मानना है कि जनता ने अपार प्रेम दिया है, उसे बढाने की दिशा में सदा प्रयास करते हैं. अमरावती शहर की लोकप्रिय विधायक सौ. सुलभाताई संजयराव खोड़के जहां जनहित में प्रयासरत रहती हैं, वहीं संवेदनशील नेत्री के रूप में सदा जनता के कामों को करने के लिए दिन-रात सक्रिय और सतर्क रहती हैं. परिवार के यश खोड़के की लोकप्रियता युवाओं में तेजी से बढ़ रही है. वह भी माता-पिता की तरह समझदार और सभी कामों में जनहित का पहले विचार करने वाले युवा नेता है.माता-पिता के आदर्श संस्कारों के साथ ही सेवाभाव वाली भावना को जीवन का सूत्र बनाते हुए यश खोड़के भी राजनीतिक क्षितिज पर अपने नाम के अनुरूप ही यश यानी की सफलता प्राप्त कर रहे हैं.

आमतौर पर पूर्व उपमुख्यमंत्री छगन भुजबल के ओएसडी रहने के साथ ही अजीतदादा पवार के करीबियों में से एक संजयराव खोड़के बोलने में कम लेकिन करने में अधिक विश्वास करते हैं. यही कारण है कि हजारों कार्यकर्ताओं के दिल में जहां स्थान रखते हैं, वहीं प्रशासन पर उनका दबदबा भी रहता है. उनके जन्मदिन पर सुबह से लेकर रात्रि तक हजारों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी. उनके मुताबिक जिले के विकास के मामले में राजनीति को दूर रखते हुए सभी को मिलकर जिले के विकासार्थ सहयोग करना चाहिए. उन्हें जन्मदिन

पर मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, अमरावती जिले क़ा विकास होता रहे, प्रभु चरणों में यही कामना,जन्मदिन पर पुनश्च हार्दिक शुभकामनाएं.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क

गुरूवार 13 से 19 नवंबर 2025

मेष-कैरियर / आर्थिक स्थितिः इस सप्ताह मेहनत रंग लाएगी. कामकाज में नए प्रोजेक्ट या प्रमोशन के अवसर मिल सकते हैं. लेकिन खर्चों पर काबू रखना ज़रूरी है. स्वास्थ्यः शुरुआत में थकावट महसूस हो सकती है, थोड़ी सी नींद पूरी करें. रिश्ते / परिवारः रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी; पारिवारिक सहयोग मिलेगा. लेकिन समय पर संवाद करना ज़रूरी है. सलाहः बड़े फैसले लेने से पहले सब पक्षों पर विचार करें. जल्दबाज़ी न करें.

वृषभ-कैरियर / आर्थिक स्थितिः यह सप्ताह स्थिरता वाला रहेगा. वरिष्ठों का समर्थन मिलेगा. आर्थिक मामूले ठीक रहेंगे, पर निवेश या बड़े खर्च करने से बचना श्रेयस्कर है. स्वास्थ्यः सामान्य रहेगा, लेकिन तनाव या भूख-पीक की अनियमितता से बचें. रिश्ते / प्यारः घर और परिवार में शांति बनी रहेगी, पर शब्दों का चयन सोच-समझ कर करें. सलाहः खर्चों का हिसाब रखें; जितना हो सके बचत की कोशिश करें.

मिथुन-कैरियर / आर्थिक स्थितिः धन आगमन के योग हैं. कुछ सौदे वप्रस्ताव मिलेंगे, परन्त जोखिम भरे प्रस्तावों से सावधानी बरतें. स्वास्थ्यः सामान्य रहेगा. बीच-बीच में एक्टिव रहें.रिश्ते / प्यारः पार्टनर के साथ कुछ मतभेद हो सकते हैं; संवाद से स्थिति ठीक होगी. सलाहः किसी नए अवसर की घोषणा लेने से पहले पूरी जानकारी जुटाएँ; निवेश करें तो भरोसेमंद सलाह साथ लें.

कर्क-कैरियर / आर्थिक स्थितिः पुराने अधूरे काम पूरे होने की संभावना; आर्थिक स्थिति धीरे-धीरे सुधरेगी. लेकिन अचानक खर्च हो सकते हैं. स्वास्थ्यः मौसम और खान-पान का ध्यान रखें; पाचन संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं. रिश्ते / प्यारः पारिवारिक भूमिका बढ़ेगी; दोस्तों-परिवार से समय बिताना अच्छा रहेगा. सलाहः प्रदत्त जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दें; व्यर्थ विवादों से बचें.

सिंह-कैरियर / आर्थिक स्थितिः आत्मविश्वास बढ़ेगा; नए प्रोजेक्ट्स या विस्तार के अवसर मिल सकते हैं. अधिकारी आपकी क्षमताओं को देखेंगे. स्वास्थ्यः काम-थकावट हो सकती है; पर्याप्त आराम और नींद आवश्यक. रिश्ते / प्यारः घर में सम्मान और सहयोग मिलेगा. साथी से अच्छे संवाद होंगे. सलाहः अपनी ऊर्जा को संतुलित करें; काम और निजी जीवन में संतुलन स्थापित करना ज़रूरी होगा.

कन्या-कैरियर / आर्थिक स्थितिः भाग्योदय की संभावना है. मेहनत का फल मिलेगा, महत्वपूर्ण काम पूरे होंगे. आर्थिक स्थिति सुधर सकती है. स्वास्थ्यः स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. लेकिन नियमित व्यायाम और संतुलित आहार जरूरी है. रिश्ते / प्यारः रिश्तों में मधुरता रहेगी; पारिवारिक आनंद प्राप्त होगा. मित्रों या बुजुर्गों से सहायता मिल सकती है. सलाहः सकारात्मक सोच रखें; किसी नई शुरुआत के लिए यह समय उपयुक्त है.

तुला-कैरियर / आर्थिक स्थितिः ऊर्जा व संकल्पशक्ति बढ़ेगी; नए अवसरों की ओर कदम हो सकते हैं. परंतु जल्दबाजी वाले फैसले टालें. स्वास्थ्यः बीच-बीच में थकान या असमंजस हो सकता है. विश्राम करें और ध्यान रखें. रिश्ते / प्यारः रिश्तों में भरोसा बढ़ेगा; पुराने झगड़े सुलझ सकते हैं. साथी का सहयोग मिलेगा. सलाहः वाणी में सौम्यता रखें, दूसरों की बातों को ध्यान से सुनें; भावनात्मक संतुलन महत्वपूर्ण होगा.

वृश्चिक-कैरियर / आर्थिक स्थितिः मेहनत का परिणाम मिलेगा. घरेलू जीवन और करियर के बीच संतुलन बनाए रखना होगा.स्वास्थ्यः मानसिक शांति की ज़रूरत है; ध्यान-मेडिटेशन लाभ दे सकता है. रिश्ते / प्यारः रिश्तों में भावनाएँ गहरी होंगी. परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती है. सलाहः विश्लेषण करने से बचें, अहंकार या झूठे स्वख से दूरी बनाएं.

धनु-कैरियर / आर्थिक स्थितिः रुके हुए काम आगे बढ़ेंगे; यात्रा या नए कौशल सीखने के मौके मिलेंगे. स्वास्थ्यः हल्की-फुल्की परेशानी हो सकती है; आराम पर ध्यान दें. रिश्ते/ प्यारः साथी के साथ कुछ तनाव हो सकता है; समझदारी से बातचीत लाभदायक होगी. सलाहः अपनी योजनाओं और प्राथमिकताओं को साफ़ रखें; जल्दबाज़ी में फैसले न करें.

मकर-कैरियर / आर्थिक स्थितिः करियर में उन्नति के अवसर, नए ऑफर या जिम्मेदारियाँ मिल सकती हैं. पर खर्चों पर नियंत्रण रखें.स्वास्थ्यः नींद और आराम पर विशेष ध्यान दें. काम के दबाव से दूरी बनाए रखें. रिश्ते / प्यारः पुराने मित्र या रिश्तेदार से मिलना संभव है, इससे मन प्रसन्न होगा. घर-परिवार में सहयोग बढ़ेगा. सलाहः जोखिम लेने से पहले पूरी तैयारी करें; संतुलित दृष्टिकोण रखना फ़ायदेमंद रहेगा.

कुंभ-कैरियर / आर्थिक स्थितिः पढ़ाई, इंटरव्यू, कोर्सेज़ आदि में सफलता की गुंजाइश है. बातचीत या प्रस्ताव लाभदायक हो सकते हैं. स्वास्थ्यः सामान्य रहेगा; पर मनोवैज्ञानिक तनाव से बचने के लिए ध्यानम-योग कर सकते हैं. रिश्ते / प्यारः पारिवारिक माहौल शांत रहेगा. साथी या मित्रों से अच्छे समय बीतेगा. सलाहः कागजी कामों, अनुबंधों आदि का दस्तावेज़ अच्छी तरह देखें; भरोसा योग्य लोगों से सलाह लें.

मीन-कैरियर / आर्थिक स्थितिः नए स्रोत से आय हो सकती है, या किसी मदद से लाभ मिलेगा. लेकिन अनियोजित खर्च होंगे, बैलेंस आवश्यक है. स्वास्थ्यः स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, पर जितना संभव हो तनाव को नियंत्रित करें. रिश्ते / प्यारः परिवार और दोस्त-रिश्तों में सुकून रहेगा; सामाजिक गतिविधियों में आनंद मिलेगा. सलाहः दिल की सुनें लेकिन पैरों को जमीन पर रखें; योजनाओं को ठोस बनाएं.मेहनत से सफलता निश्चित मिलेगी.

ज़य गोविंदा,जय गोविंदा,जय गोविदा

अमरावती में बनेगा जीणमाता व शाकंबरी माता का भव्य संयुक्त मंदिर

16 नवंबर को होगा भूमिसमर्पण व भूमिपूजन समारोह

विदर्भ स्वाभिमान, 12 नवंबर

अमरावती-बडनेरा रोड स्थित रणथंभोर के समीप गजानन नगरी परिसर में मां कुलदेवी ट्रस्ट की पहल पर कुलदेवी जीणमाता व शाकंबरी माता का भव्य संयुक्त मंदिर निर्माण होने जा रहा है. स्वर्गीय गिन्नीदेवी जुगलकिशोरजी अग्रवाल की स्मृति में अमरावती मंडल परिवार व राजेश जुगलकिशोर अग्रवाल ने ट्रस्ट को भूमि समर्पित की है.पत्रकारिता के माध्यम से शानदार सफलता प्राप्त करने के बाद धार्मिक, सामाजिक तथा समाज कार्य में अग्रवाल परिवार की सराहनीय कोशिशों की सराहना की जा रही है.

इस निमित्त भूमिसमर्पण व भूमिपूजन समारोह का आयोजन रविवार, 16 नवंबर को सुबह 10 बजे हरिशांति मंगलम एंड लॉन में किया जाएगा. कार्यक्रम की अध्यक्षता अनिल जुगलकिशोरजी अग्रवाल करेंगे. इस अवसर पर जगतगुरु माउली सरकार (श्री रामानंदाचार्य स्वामी रामराजेश्वराचार्य महाराज) तथा विधायक रवि राणा की विशेष उपस्थिति रहेग. वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पंडित करण गोपाल शर्मा द्वारा भूमिपूजन विधि संपन्न करवाई जाएगी.

समारोह में मंदिर निर्माण हेतु सहयोग देने वाले सभी दानदाताओं का सम्मान किया जाएगा. विदर्भ में दोनों देवियों का यह सबसे बड़ा और एकमात्र संयुक्त मंदिर होगा. लगभग 7 हजार वर्गफुट क्षेत्र में बनने वाले इस दो मंजिला मंदिर में दोनों देवियों के मंड के साथ शिवपंचायत, भैरवजी व हनुमानजी के मंदिर भी निर्मित किए जाएंगे.मंदिर की भव्य डिज़ाइन अकोला के आर्किटेक्ट पंकज चिराणिया ने तैयार की है. इसमें किर्तन सभागार, भोजनशाला, रसोईघर, गेस्ट रूम, पूजारी निवास, भोग गृह व लिफ्ट सुविधा जैसी व्यवस्थाएं होंगी. आधुनिक साज-सज्जा से युक्त यह मंदिर एक वर्ष में पूर्ण होने की योजना है. मां कुलदेवी ट्रस्ट ने भक्तों से अपील की है कि वे 16 नवंबर को होने वाले इस भूमिपूजन समारोह में अधिक से अधिक संख्या में सहभागी बनने तथा इस कार्य में सहयोग करने के साथ ही सभी से उपस्थित रहने का आग्रह अग्रवाल परिवार द्वारा किया गया है. मंदिर का निर्माण जिस तरह से किया जाएगा, वह अमरावतीवासियों के लिए जहां शान की बात होगी, वहीं दूसरी ओर इस मंदिर की डिजाइन ही इस तरह शानदार लग रही है कि निश्चित तौर पर निर्माण के बाद यह मंदिर शहर की धार्मिक प्रतिमा को बढ़ाने का काम करेगी. इस शानदार और धार्मिक विरासत को बढ़ाने वाली पहल के लिए अग्रवाल परिवार की सर्वत्र सराहना और अभिनंदन किया जा रहा है.

Jugalkishor agrawalji (Babuji)

सुरेश रामागडे बने लोतवाड़ा ग्राम पंचायत के प्रशासक

विदर्भ स्वाभिमान,12 नवंबर

खल्लार-लोतवाडा गांव की तत्कालीन सरपंच दुर्गा सुधीर गावंडे,उपसरपंच ओंकार बबन कात्रे और ग्राम पंचायत सदस्या शुभांगी अतुल भदे पर सरकारी भूमि (शासकीय जमीन) पर अतिक्रमण करने का आरोप सिद्ध होकर उनकी सदस्यता अयोग्य घोषित करने के बाद गांव में प्रशासक के रूप में सुरेश रामागडे की नियुक्ति की गई है.तीनों के खिलाफ शिकायत गांव के सामाजिक कार्यकर्ता भिमराव कु?हाडे ने अपर आयुक्त अमरावती के समक्ष दर्ज कराई थी.शिकायत की जांच पूरी होने के बाद अपर आयुक्त ने गत दिनों फैसला सुनाते हुए तीनों को पद के लिए अयोग्य घोषित किया था.सरपंच और उपसरपंच दोनों पदाधिकारी अयोग्य घोषित होने के कारण दर्यापुर पंचायत समिति के गट विकास अधिकारी सी. जे. ढवक ने लोतवाडा ग्राम पंचायत के प्रशासक के रूप में सुरेश रामागडे की अस्थायी नियुक्ति की है.इसके साथ ही, अब लोतवाडा ग्राम पंचायत पर प्रशासक राज लागू हो गया है.

आचार, विचार, संस्कारों के साथ ही संयुक्त परिवार, मानवता और भारतीयता को समर्पित सर्वाधिक लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र के ग्राहक बनकर अच्छाई को बढ़ावा देने में अपना हाथ बंटाए, आज ही सदस्यता फार्म भरें

विदर्भ स्वाभिमान

संपर्क

9423426199/8855019189

मेहनत,लगन से सफलता, मानवता की सेवा से बड़ा धर्म नहीं है

सुख्यात समाजसेवी, व्यवसायी तथा कई संगठनों के पदाधिकारी अमोल चवणे का मत

विदर्भ स्वाभिमान, 12 नवंबर

अमरावती-अपने लिए जिए तो क्या जिए वाले सिद्धांत पर चलते हुए जो लोग जीवन में मानव सेवा के लिए जीते हैं वही हमेशा याद किए जाते हैं. मानव होकर भी केवल खुद के लिए जीने वाले इंसान के लायक नहीं रहते हैं. मानव के रूप में हमसे जितना संभव हो हमेशा सामाजिक एवं राष्ट्रीय कार्य में योगदान देना चाहिए. इस आशय का मत समाज सेवी तथा सफल व्यवसाय अमोल चवणे ने किया. दीपावली पर उन्होंने समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए अभी तक दिखाए गए विश्वास के लिए धन्यवाद दिया और भविष्य में भी इसी तरह का सहयोग मिलने की अपेक्षा व्यक्त की.विदर्भ स्वाभिमान के भारत के सबसे बड़े दिवाली विशेषांक की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि इस अखबार द्वारा इस साल संयुक्त परिवार,मानव सेवा और पर्यावरण संतुलन के विषय को लेकर प्रकाशित विशेषांक सराहनीय है. माता-पिता के साथ संयुक्त परिवार को जीवन में सबसे अधिक महत्व देने वाले अमोल चवणे ने कहा कि जब परिवार में खुशी रहती है तो तरक्की अपने आप होती है. जीवन में किया गया अच्छा काम कभी बेकार नहीं जाता है. इसलिए जितना संभव हो सदैव अच्छा करने का प्रयास करने की सलाह दी.युवाओं को जीवन में माता-पिता का सम्मान करने और सहारा बनने की सीख देते हुए कहा कि मेहनत,लगन और समर्पण के बलबूते ही सफलता हासिल की जा सकती है. सभी से एकता के साथ रहने और खुश रहने और खुशियां बांटने का आग्रह किया.

योगदान के लिए समाजसेवी चंद्रकुमार जाजोदिया का सत्कार

अमरावती- नूतन विदर्भ शिक्षण मंडळ द्वारा संचालित महिला महाविद्यालय, जोग चौक, अमरावती में अंतरमहाविद्यालयीन एवं अंतरशालेय गरबा नृत्य प्रतियोगिता का भव्य और सांस्कृतिक उत्साह से परिपूर्ण आयोजन

संपन्न हुआ. पारंपरिक परिधानों में सजी छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किए गए मनमोहक, तालबद्ध और ऊर्जा से ओतप्रोत गरबा नृत्यों ने पूरे परिसर को उत्साह, आनंद और रंगीन गरबा-रसधारा से भर दिया.इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन में समाजसेवी, उद्योगपति चंद्रकुमार उर्फ लप्पी जजोदिया का अमूल्य सहयोग प्राप्त हुआ. स्वतंत्रता सेनानी स्व. दादासाहेब खापर्डे की मानवतावादी विचारधारा से प्रेरित यह महाविद्यालय छह दशकों से शहर के गरीब एवं प्रगतिकामी विद्यार्थियों के लिए एक महत्त्वपूर्ण शैक्षणिक केंद्र के रूप में कार्यरत है, जहाँ छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए उत्कृष्ट सुविधाएँ और वातावरण उपलब्ध कराया जाता है.महाविद्यालय की शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ात्मक उपलब्धियों की प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा कि यह संस्था निरंतर विद्यार्थिनियों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें ऊँचाइयों तक पहुँचाने के लिए प्रयत्नशील रहती है.महिला महाविद्यालय की ओर से प्राचार्य डॉ. अरुणा वाडेकर, नूतन विदर्भ शिक्षण मंडळ के अध्यक्ष तथा कार्यकारिणी सदस्यों ने आदरणीय लप्पीभैया जजोदिया जी के सहयोग के लिए विशेष कृतज्ञता व्यक्त की.इसी कृतज्ञता के भाव से डॉ. अंकश गिरी तथा प्रा. गोकुल देशमुख ने उनके निवासस्थल पर पहुँचकर सम्मानचिह्न एवं आभार पत्र भेंट कर उनका सन्मान किया.

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात
वाजवी दरात
सर्वात जास्त
प्लाटस्चे सौदे
करणारे एकमेव
इस्टेट एजंट
संजय
एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू
मैदान,अमरावती.फोन
2564125,2674048

पुण्यस्मरण

स्व. श्री डी.बी. घटोरिया
जन्म - दि. 01-07-1932 - स्वर्गवास - 15-11-2006
आपको हमसे बिछड़े हुए ११ वर्ष हो गये हैं,
आपके आशिर्वाद से आपके बताए मार्ग पर चलते
हुए, आपको निरंतर याद करते हैं.
श्रध्दावंत - घटोरिया परिवार, अमरावती
प्रतिष्ठान - संजय एजंसिज, नेहरू मैदान, अमरावती.
Starline Crackers, Nehru Maidan, Amravati
DBG Agro & Multi Product Pvt. Ltd, Amravati

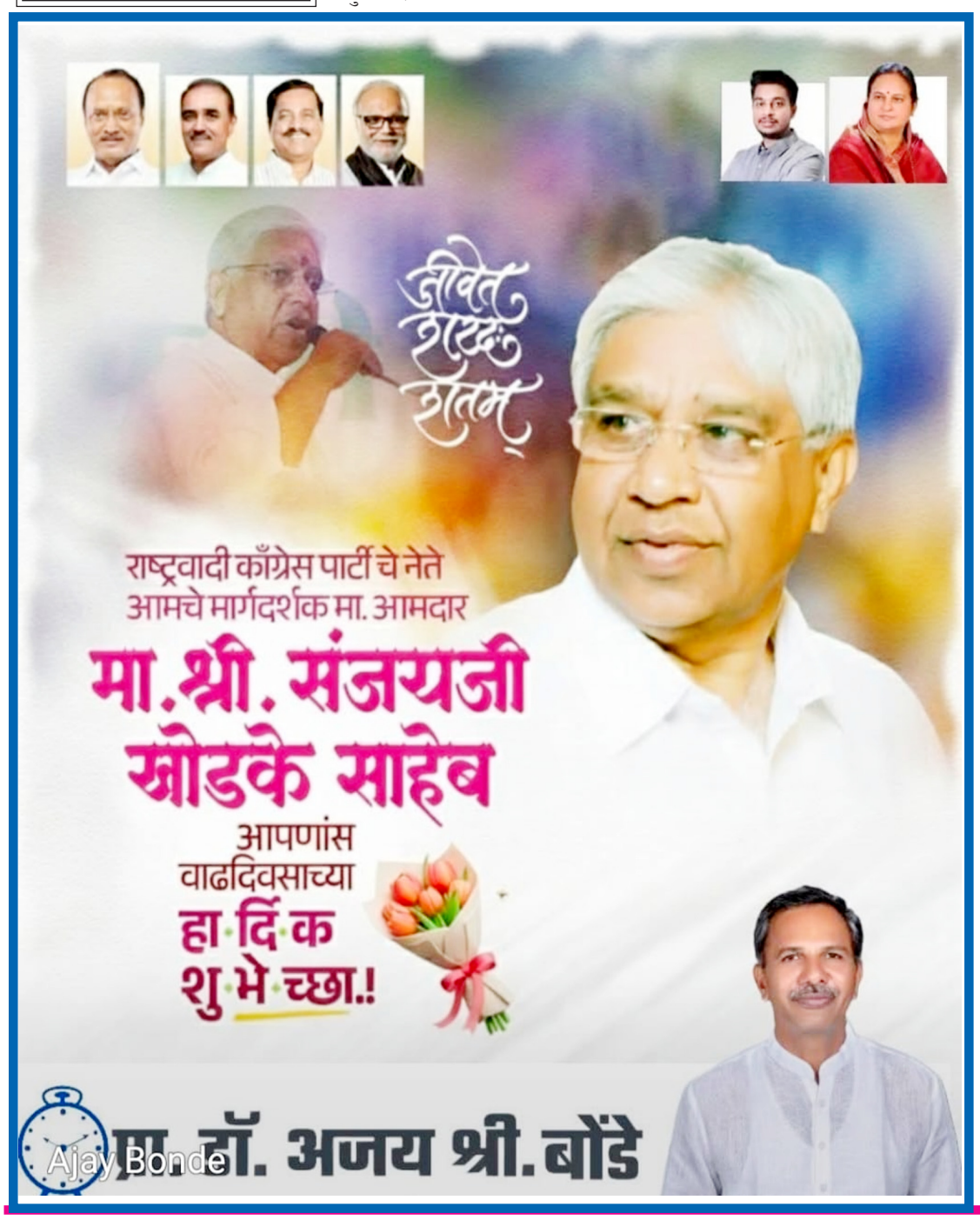

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त
नवीन मकान विकायचा आहे. गुढीपाडवा
आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2
बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग
सोबतचच पंखे गिझर सर्व
तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री
करावी.
शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी
मेन रोड पूर्व मुख्य
1350 फुट बांधकाम
संपर्क मोबाइल नंबर 9881388450